वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 217 | शुक्रवार 2 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान सरकार-गुर्जरों में समझौता

गुर्जर नेता विजय बैंसला बोले- भारत जोड़ो यात्रा का हम स्वागत करेंगे, पायलट पर हमला, कहा- युवा किसी का झंडा न उठाएं

जयपुर. कासं

गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति और सरकार के बीच चौथे दिन समझौता हो गया है। सरकार ने गुर्जरों की आरक्षण से जुड़ी सभी मांगें मान ली। गुर्जर नेता विजय बैंसला ने मंत्रियों के साथ चार दिन की वार्ता के बाद समझौते को सफल बताया। समझौते के बाद अब विजय बैंसला ने राहुल गांधी की यात्रा का विरोध वापस लेने की घोषणा की है। बैंसला ने कहा- हमारी मांगे मान ली गई हैं, अब राहुल गांधी की यात्रा का स्वागत है। विजय बैंसला ने मांगें नहीं मानने पर राहुल गांधी की यात्रा का विरोध करने और यात्रा को राजस्थान में नहीं घुसने देने की घोषणा की थी। राहुल गांधी की पूरी यात्रा गुर्जर बाहुल्य इलाकों से होकर गुजरेगी, इसलिए बैंसला की धमकी के बाद सरकार सक्रिय हुई और वार्ता के लिए बुलाया। चार दिन तक मंत्रियों की कमेटी ने गुर्जर नेताओं से उनकी मांगों पर विस्तार से बातचीत कर समाधान निकाला। अब समझौता होने के बाद सरकार और कांग्रेस ने राहत की सांस ली है। समझौते के बाद विजय बैंसला ने कहा- मैं पूरे MBC समाज और खासकर MBC समाज के युवाओं को कहना चाहता हूं कि दूसरों के झंडे उठाना बंद करें और अपनी पढ़ाई के झंडे उठाएं वरना

अगला आदमी तो अपना झंडा उठाकर आगे चला जाएगा और आपके हाथ में केवल डंडा रह जाएगा। वो डंडा आपको कहीं आगे लेकर नहीं जाएगा। बैंसला ने कहा कि 17 से 27 साल तक के सभी बच्चे-युवाओं को अपना पूरा फोकस अपना करियर और जिंदगी बनाने पर लगाना चाहिए जिसको करियर के तौर पर पॉलिटिक्स अपनाना है, वह पॉलिटिक्स में जा सकते हैं लेकिन बीच की मझदार में ना फंसे। यह मैं सभी युवाओं को कहना चाहता हूं। पांचना बांध मामले में बैंसला ने कहा- यह पानी वाले किसान और बिना पानी वाले किसान की बात है। इसे गुर्जर-मीणा का इश्यू नहीं बनाया जाना चाहिए। हम सौहार्द के साथ रह रहे हैं। जो नेता का स्टेटमेंट आया है, उसके बाद मेरा कहना यही है कि हम तो 12 गांव बैंसला के साथ हैं, जो पंच पटेल कहेंगे वही होगा।

गुर्जरों की मांगें पूरी करने के लिए कमेटी बनेगी

गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल और सरकार के बीच समझौता में सभी मांगों पर सहमति बनी। सरकार ने गुर्जरों की मांगों को मानने के लिए एक कमेटी बनाने का फैसला किया है। यह कमेटी एक महीने के अंदर मोस्ट बैकवर्ड क्लास (एमबीसी) के अभ्यर्थियों की पोस्टिंग को लेकर समाधान करेगी। सरकार की ओर से मंत्री अशोक चांदना और देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना ने कहा कि 4 दिन में समाधान निकल गया है। सभी मांगों पर सहमति बन गई है। पूरे समाज में खुशी की लहर है। जो अड़चनें आ रही हैं, 1 महीने में कमेटी उनका समाधार कर देगी। विजय बैंसला ने कहा- रीट के 233 अभ्यर्थियों की नियुक्ति का मामला आसान नहीं है। वरना हम कोर्ट में नहीं होते, समय लगेगा।

सभी मांगों पर सहमति का दावा

चार दिन तक चली समझौता वार्ता में गुर्जर नेताओं की लगभग सभी मांगों पर सहमति बन गई। देवनारायण गुरूकुल योजना को फंक्शनिंग में लाने, योजना की अनियमितताएं दूर करने, स्टूडेंट्स को सुविधाएं उपलब्ध कराने, जिन स्कूलों में देवनारायण योजना के तहत बच्चे नहीं पढ़ रहे हैं, उन स्कूलों को भी योजना के तहत भुगतान होने पर सहमति बनी है। देवनारायण योजना की 2019-2020, से 2022 तक की 13 हजार 548 पेंडिंग स्कॉलरशिप जारी करने पर सहमति बनी। देवनारायण रेसीडेंशियल स्कूलों में महिला वार्डन की कमी, स्कूलों में यूनिफॉर्म, बैग, जूते केवल शुरूआती 3 महीने के लिए बच्चों को देने और बाद में पेरेंट्स के अकाउंट में डालने की समस्याओं पर समाधान निकालने पर सहमति बन गई है। गुर्जर नेता साल 2019 और 2020 में हुए समझौते के बिंदु लागू करने की मांग कर रहे थे। इसमें भर्तियों में एमबीसी आरक्षण के लंबित केस, पुरानी भर्तियों में आरक्षण का फायदा दिलाने, बैकलॉग पोस्ट में आरक्षण देकर गुर्जर समाज के युवाओं की भर्ती करने, शैडो पोस्ट क्रिएट करने, गुर्जर आरक्षण आंदोलन के दौरान समाज के लोगों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने जैसे मुद्दे शामिल हैं।

जयपुर पहुंची बॉलीवुड एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी

4 दिसंबर को 450 साल पुराने मुंडोता फोर्ट में सोहेल संग लेंगी सात फेरे

जयपुर. कासं। बॉलीवुड एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी 4 दिसंबर को जयपुर में अपने खास दोस्त सोहेल कथूरिया के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। इससे पहले गुरुवार को हंसिका अपने परिवार के साथ मुंबई से जयपुर पहुंची। इस दौरान जयपुर एयरपोर्ट पर हंसिका ने अपने फैंस का अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद वह कार से मुंडोता फोर्ट के लिए रवाना हो गई। वही हंसिका के होने वाले पति सोहेल भी मुंबई से जयपुर के लिए रवाना हो

गए हैं। दो दिसंबर से हंसिका मोटवानी की शादी के प्री-वेडिंग प्रोग्राम की शुरूआत होगी। इसमें हल्दी की रस्म उसी दिन सुबह और फिर शाम को सूफी नाइट होगी। वहीं, 3 दिसंबर को हंसिका की मेहंदी और संगीत होगा। 4 दिसंबर को शादी होगी।

अखिल भारतीय प्राचार्य सम्मेलन की शुरूआत

नई शिक्षा नीति के जरिए आ रहे बदलाव और क्रियान्वयन पर हो रही चर्चा

जयपुर. कासं

भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम के महाराणा प्रताप सभागार में गुरुवार को भारतीय विद्या भवन के चार दिवसीय 13वें अखिल भारतीय प्राचार्य सम्मेलन की शुरूआत हुई। इसके उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि राजस्थान यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. राजीव जैन थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय विद्या भवन मुम्बई के संयुक्त अधिशाषी सचिव जगदीश लखानी ने की।

चित्रांकन: सतीश जैन अकेला, जयपुर

श्री दिगम्बर जैन देशभूषण आश्रम अचरोल मे श्रीमज्जिनेन्द्र पार्श्वनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव व विश्व शांति महायज्ञ का पांचवां दिन

जीवन में दृष्टि बदलो, सृष्टि नहीं: आचार्य श्री सुनील सागर

जयकारों के बीच हुई ज्ञानकल्याणक की क्रियाएं

जयपुर. शाबाश इंडिया

अरावली पर्वत श्रृंखला के सुरम्य वातावरण में दिल्ली रोड स्थित अचरोल ग्राम के श्री दिगम्बर जैन देशभूषण आश्रम में तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मति सागर जी गुरुदेव के पट्ट शिष्य चर्या शिरोमणि आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ की पावन निश्रा में चल रहे 6 दिवसीय श्रीमज्जिनेन्द्र पार्श्वनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव में गुरुवार को ज्ञानकल्याणक की क्रियाएं हुई। इस दौरान तप कल्याणक पूजा और कल्याण मंदिर पार्श्वनाथ विधान आदि आयोजन सम्पन्न हुए।इस अवसर पर जयपुर के अलावा दिल्ली रोड के आसपास के श्रद्धालुओं ने भाग लिया। उक्त जानकारी देते हुये प्रचार संयोजक रमेश गंगवाल ने बताया नेम प्रकाश खंडाका,देव प्रकाश खंडाका व संत कुमार खंडाका ने महोत्सव के तहत परिजनो व समाज बन्धु श्रावक श्राविकाओं के साथ गुरुवार को सुबह ज्ञानकल्याणक मनाया । जिसमें सौधर्म इन्द्र श्रीमती प्रियांगी- कमल खंडाका,धनपति कुबेर श्रीमती ममता सौगानी-शांति कुमार सौगानी जापान वाले,महायज्ञनायक श्रीमती राजुल-राजकुमार खंडाका व ईशान इन्द्र श्रीमती निलेश-नेक कुमार खण्डाका सहित अन्य इन्द्र-इन्द्राणियों ने छोटा-सा मंदिर बनाएंगे...पारस प्यारा लागे...जैसी भजनों की स्वर लहरियों के बीच अर्घ अर्पण किये।इस अवसर पर आचार्य श्री आदि सागर अंकली कर जागृति मंच मुंबई द्वारा आचार्य श्री सुनील सागर गुरुदेव व समस्त संघ के चातुर्मास से जुड़े हुए नेम प्रकाश खंडाका, रूपेंद्र छाबड़ा, राजेश गंगवाल, राजीव गाजियाबाद, शांति कुमार सोगानी को सन्मति रत्न सम्मान से अलंकृत किया गया। इस सुअवसर पर धर्मसभा को सम्बोधित करने हेतु आचार्यश्री उपदिष्ट हुये।उन्होंने ने कहा कि तन का इलाज करोंगे तो सौ साल जीओगे और यदि मन का इलाज करोंगे तो अनंतकाल तक सिद्धालय में विराजमान रहोंगे। जीवन में दृष्टि बदलो,सृष्टि नहीं। जीवन में जो होना है,वो निष्चित है। पुरुषार्थ करते रहिए,दृष्टि अपने आप बदल जाएगी। आचार्यश्री उपदिष्ट रहे, कहा कि आत्मार्थी-आत्महित के लिए सावधान रहे। तीर्थंकर प्रभु समस्त राजपाट और वैभव को छोड़कर आत्मकल्याण के लिए धर्म के मार्ग पर चल पड़े और आज वे भगवान के रूप मे प्रतिष्ठित हो गए। आचार्य श्री ने कहा कि कर्तव्यनिष्ठ होकर कार्य करो। अधिकार मत जमाओ।कर्तव्य

करते रहोंगे तो अपने आप लोगों की समझ में आ जाएगा। आचार्यश्री ने आगे कहा कि वैराग्य मतलब अंतर्मुख होना और अपने विशाल वैभव को जानना तथा अपने विकास के लिए तत्पर होना। तन के रागी होंने से पहले मन का राग हटाना। आत्मा परमात्मा बन जाएगी,आत्मा की निर्मलता कहीं से नहीं आएगी। वह तो अनंत गुणों से आएगी,क्योंकि आत्मा गुणों का गोदाम है। आज भगवान को प्रथम आहार का ग्रास ब्रह्मोत्तर इन्द्र के आसन पर विराजमान रुपेन्द्र छाबडा परिवार ने दिया। मुख्य संयोजक रुपेन्द्र छाबड़ा ने बताया कि महोत्सव के तहत आज मध्याह्न में सूरिमंत्र तथा केवलज्ञान कल्याणक की अभ्यंतर क्रियाएं सम्पन्न हुई। मध्याह्न 3 बजे पार्श्वनाथ पर कमठोपसर्ग के बाद आचार्यश्री के द्वारा समवशरण में दिव्य देशना हुई। सायंकाल पश्चात सम्मान समारोह का कार्यक्रम हुआ। सभी इन्द्र- इन्द्राणियों के साथ साथ महामहोत्सव से जुडे सभी कार्यकताओं का सम्मान आयोजन समिति द्वारा किया गया। महोत्सव के अंतिम दिन सुबह 6 बजे जिनेन्द्र अभिषेक व शांतिधारा के बाद ज्ञानकल्याणक व मोक्षकल्याणक पूजा, आचार्यश्री के द्वारा मोक्ष कल्ल्याणक संस्कार ,विश्व शांति महायज्ञ व पूणार्हुति, शांतिपाठ, विसर्जन, क्षमायाचना, मध्याह्न 12.15 बजे शोभायात्रा निकलेगी तथा श्रीजी को वेदी में विराजमान किया जाएगा। इसके बाद भगवान का महाभिषेक व शांतिधारा,प्रतिष्ठा ध्वज अवरोहण के कार्यक्रम होंगे।

मस्तकाभिषेक महोत्सव का पांचवां दिन...

पारस टीवी चैनल परिवार ने की भगवान महावीर की भू-गर्भ से प्रकटित मूलनायक प्रतिमा की शांतिधारा

महामस्तकाभिषेक- सांस्कृतिक कार्यक्रम में झलकी राजस्थानी संस्कृति

अंतिम केवली जम्बू स्वामी नृत्य नाटिका की प्रस्तुति आज (शुक्रवार को)

जयपुर/ श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया

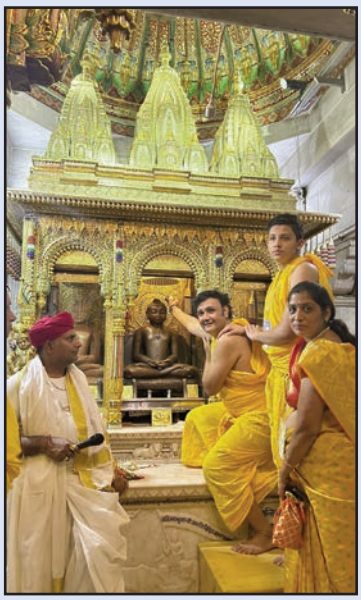

चांदनपुर वाले बाबा के नाम से पूरे विश्व में प्रसिद्ध भूगर्भ से प्रकटित भगवान महावीर की मूंगावर्णी अतिशयकारी प्रतिमा के महामस्तकाभिषेक महोत्सव में पांचवें दिन गुरुवार को पारस टीवी चैनल परिवार के पदाधिकारियों सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार के साथ महामस्तकाभिषेक किये। इस मौके पर मंदिर परिसर जयकारों से गुंजायमान हो उठा। महामस्तकाभिषेक महोत्सव का 4 दिसंबर को समापन होगा।इस दौरान पुण्यार्जक श्रद्धालुओं एवं इन्द्र-इन्द्राणियों द्वारा 2651 कलशों से भगवान का महामस्तकाभिषेक किया जाएगा। महोत्सव समिति के कार्याध्यक्ष विवेक काला ने बताया कि गुरुवार को टीले से निकली अतिशयकारी 1 हजार वर्ष प्राचीन भगवान महावीर की मूंगावर्णी मूलनायक प्रतिमा के समाजश्रेष्ठी विजय कुमार जैन एवं परिवारजनों ने रत्न कलश के माध्यम से प्रथम महामस्तकाभिषेक किये। दिव्य कलश के माध्यम से समाजश्रेष्ठी ज्योति जैन एवं परिवारजनों द्वारा द्वितीय एवं महोत्सव समिति से सक्रियता से जुड़े हुए राजस्थान जैन सभा जयपुर के महामंत्री मनीष बैद एवं परिवारजनों सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर के महामस्तकाभिषेक किये। चरण छतरी के नजदीक नव प्रतिष्ठित 24फुट 1इंच की उतंग खड्गासन बिजोलिया पत्थर से निर्मित भगवान महावीर की प्रतिमा के सैकड़ों श्रद्धालुओं द्वारा जयकारों के बीच मंत्रोच्चार के साथ महामस्तकाभिषेक किये गये। इस मौके पर अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल, कार्याध्यक्ष विवेक काला, उपाध्यक्ष एस के जैन,महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी मुख्य संयोजक सुभाष चन्द जैन, संयोजक सुरेश सबलावत, राकेश सेठी,प्रबंध समिति सदस्य रुपेन्द्र काला,पी के जैन एवं कलश आवंटन समिति समन्वयक देवेन्द्र अजमेरा, प्रशासनिक समन्वयक भारत भूषण जैन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन उपस्थित थे। आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में बुधवार को प्रातः 8.15 बजे से हुए महामस्तकाभिषेक भगवान महावीर स्वामी की भूगर्भ से प्रकटित मूंगावर्णी मूलनायक प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक करने हेतु श्रद्धालु नाचते गाते शुद्ध पीत वस्त्र धारण कर बैण्ड बाजों के साथ विशाल जुलूस के रूप में मुख्य मंदिर पहुंचे। इस मौके पर पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी के मुताबिक लगभग 305 कलशों से पुण्यार्जक परिवारों के सैकड़ों श्रद्धालुओं द्वारा पांचवें दिन जयकारों के बीच मंत्रोच्चार से महामस्तकाभिषेक किये गये। महोत्सव समिति के प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक शांतिधारा का पुण्यार्जन पार्श्वनाथ मीडिया प्रा.लिमिटेड, पारस टीवी चैनल परिवार को प्राप्त हुआ । पारस टीवी चैनल के चैयरमेन नरेश चन्द,पंकज जैन,एम डी विनोद जैन टोरडी,वाईसप्रेसीडेंट अनिल जैन एवं डायरेक्टर प्रकाश मोदी सहित परिवारजनों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए भगवान के सिर पर शांतिधारा की गई। भगवान महावीर की मूंगावर्णी अतिशयकारी प्रतिमा का 4 दिसम्बर तक प्रतिदिन प्रातः 8.15 बजे से सायं 4.15 बजे तक महामस्तकाभिषेक होगा। कवि सम्मेलन में कवि अनामिका अम्बर,सौरभ सुमन, पंकज फनकार,अजय अहिंसा सहित बाल कवि आदित्य जैन कोटा ने अपनी कविताओं के माध्यम से भगवान महावीर के जीवन चरित्र एवं सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। इससे पूर्व भगवान महावीर की महाआरती की गई। कमेटी की ओर से कवियों का सम्मान किया गया। **आज (शुक्रवार को) अन्तिम केवली जम्बू स्वामी नृत्य नाटिका की होगी प्रस्तुति...** जैन के मुताबिक शुक्रवार,02 दिसम्बर को श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति सांगानेर सम्भाग के तत्वावधान में रात्रि 8.00 बजे से अन्तिम केवली जम्बू स्वामी नृत्य नाटिका की भव्य प्रस्तुति दी जाएगी। जयपुर के राहुल सिंघल के निर्देशन में आयोजित इस नृत्य नाटिका में 20 से अधिक महिला कलाकारों द्वारा किरदार निभाया जाएगा। **मंदिर दर्शन का समय:** श्री जैन ने बताया कि दर्शनार्थियों के लिए मुख्य मंदिर दर्शन प्रातः 5.00 बजे से 7.00 बजे तक तथा सायंकाल 6.00 बजे से रात्रि 9.30 बजे तक हो सकेंगे। मंदिर के नीचे स्थापित ध्यान केन्द्र की प्रतिमाओं के दर्शन प्रातः 8.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक हो सकेंगे। महोत्सव के दौरान जैन बैंकर्स फारम के 100 से अधिक सेवाभावी कार्यकताओं द्वारा अपनी सेवाएं दी जा रही है। महोत्सव में राजस्थान सहित पूरे विश्व से श्रद्धालुओं का ताता भगवान महावीर के दर्शन करने हेतु उमड़ रहा है। महोत्सव समिति द्वारा श्रद्धालुओं एवं यात्रियों के लिए भोजन,आवास सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है।

वेद ज्ञान

दुनिया में रहे हमारे सिद्धांत की विरासत

सिद्धांत शब्द का संधि विच्छेद है सिद्ध-अंत। सार्वजनिक व सार्वभौमिक कल्याण कामना से जो भाव-विचार सिद्ध हों या जिस भाव-विचार की सिद्धि लोक-कल्याण के लिए कार्यरूप में हो, वही सिद्धांत कहलाता है। व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और समुदाय की सुख-शांति के लिए एक विचार प्रकट होता है। इस विचार में यदि वास्तव में सर्वसुख-शांति की शक्ति है और व्यावहारिक बनने पर यह विचार अपनी वैचारिक श्रेष्ठता बनाए रख सकता है तो यह सिद्धांत में बदल जाता है। इसी प्रकार के अनेक विचार अपनी-अपनी वैचारिकता और व्यावहारिकता के सामंजस्य से मानव उत्थान में जो योगदान देते हैं, उसी आधार पर वे सिद्धांत बनते हैं। चूंकि मानवीय जीवन चाहे-अनचाहे उत्तरोत्तर कल्याण, विकास की ही कामना रखता है इसीलिए सार्वभौमिक कल्याणकारी विचार और व्यवहार के फलस्वरूप जो सामाजिक सूचना प्रसारित होती है, वह धीरे-धीरे सर्वस्वीकार्य हो जाती है। इस तरह एक सिद्धांत उत्पन्न होता है। समझदार और प्रौढ़ व्यक्ति के जीवन में कुछ न कुछ सिद्धांत अवश्य होते हैं। सिद्धांत से तात्पर्य दैनिक वस्तुओं के उपभोग के नियम में बंधने से नहीं है। मनुष्य के भाव-विचार वास्तविक संसार के विषयों से अलग होकर व्यक्तिगत चेतना से संचालित होने चाहिए। ऐसा होने पर विषयों के प्रति आत्मिक दृष्टिकोण बनने लगता है। इसके बाद दुनियावी पूर्वग्रह एक नई विचार-छलनी से छलने लगते हैं और इसमें से निकलकर जो नव-विचार व्यक्ति को उचित लगते हैं, वे सिद्धांतों का रूप ग्रहण करते हैं। प्रत्येक विचार परोपकार की भावना से पोषित होना चाहिए। इस उपक्रम से सैद्धांतिक वातावरण बनने लगता है। मनुष्य अपने इष्टतम ज्ञान को पहचाने। यह तभी संभव है, जब उसके ज्ञान के सिद्धांत निर्धारित हों। इस दुनिया में सभी का जीवन निर्धारित समय तक ही है। यदि कोई अपनी मृत्यु के बाद इस संसार में कुछ छोड़ जाता है, तो वे उसके मौलिक व मानवीय सिद्धांत ही होते हैं। आध्यात्मिक दृष्टिकोण अपनाकर आसानी से समझा जा सकता है कि जीवन के बाद भी हमारी पहचान हमारे सकारात्मक और जीवन से संबंधित सिद्धांतों के बल पर ही हो सकती है।

संपादकीय

साइबर जगत पर निर्भरता के दौर में कई बड़े खतरों का संकेत

दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स के सर्वर में सेंधमारी साइबर अपराध की एक आम घटना लग सकती है, मगर यह साइबर जगत पर निर्भरता के दौर में कई बड़े खतरों का संकेत है। खासतौर पर तब जब ऐसे सवाल लगातार उठ रहे हैं कि किसी भी व्यक्ति से संबंधित डेटा या आंकड़े बेहद महत्त्वपूर्ण होते हैं, इसलिए उन्हें चोरी होने से बचाना सरकार की पहली जिम्मेदारी होनी चाहिए। गौरतलब है कि करीब एक सप्ताह पहले एम्स के सर्वर में सेंधमारी की सूचना मिली थी। तब से तकनीकी विशेषज्ञों की लगातार कोशिशों के बावजूद उसे पहले की तरह ठीक करने में कामयाबी नहीं मिल सकी। आशंका जताई जा रही है कि सर्वर में मौजूद करीब तीन से चार करोड़ लोगों के तमाम आंकड़े, पूर्व प्रधानमंत्रियों, मंत्रियों, नौकरशाहों जैसे खास और नामचीन हस्तियों और उनकी सेहत के बारे में दर्ज ब्योरों या डेटा को चुराया गया है। सवाल यह है कि क्या उनका बेजा इस्तेमाल भी हो सकता है?

फिलहाल संबंधित महकमों की ओर से यही कहा जा रहा है कि इसे ठीक करने में कुछ दिन और लग सकते हैं, लेकिन इस घटना के साथ ही इससे जुड़े खतरों को लेकर एक बार फिर बहस शुरू हो गई है। इस बीच यह खबर भी आई कि सेंधमारी करने वालों ने दो सौ करोड़ रुपए फिरौती की मांग की है। मगर मंगलवार को दिल्ली पुलिस इस बात का खंडन किया। इसके बावजूद यह सच है कि बीते एक हफ्ते से एम्स का सर्वर अगर किसी सामान्य तकनीकी खराबी की वजह से ठप नहीं है तो किसी साइबर अपराधी के नियंत्रण में है और इस घटना में यही बात अपने आप में सबसे ज्यादा गंभीर है। यह केवल कामकाज में असुविधा का मसला नहीं है। एम्स के सभी तरह के कामकाज के लिए तो समांतर वैकल्पिक व्यवस्था खड़ी की जा सकती है। तात्कालिक तौर पर सामान्य या पुराने तरीके से भी काम चलाया जा सकता है। लेकिन मरीजों से जुड़े तमाम ब्योरों से लेकर सभी तरह की व्यवस्थाओं का जिस तरह डिजिटलीकरण हो गया है, उनका चोरी हो जाना शायद दूरगामी स्तर पर घातक स्थितियां पैदा कर सकता है। यही वजह है कि एम्स के सर्वर में सेंध लगाने के बाद सबसे गहरे सवाल साइबर सुरक्षा को लेकर उठ रहे हैं। यों इससे पहले भी अलग-अलग मौकों पर किसी संस्थान या कंपनी की वेबसाइट हैक होने की खबरें आती रही हैं और उसी के मद्देनजर इसके खतरों की भी पहचान की गई है। लेकिन हालत यह है कि देश के नागरिकों के बारे में सबसे संवेदनशील जानकारी जुटा कर उन्हें डिजिटल रूप में रखने की सुविधाएं तो बताई जाती हैं, मगर उनके पूरी तरह सुरक्षित होने को लेकर अब तक कोई आश्वासन नहीं है। अक्सर ऐसी खबरें आती रहती हैं कि हजारों लोगों का डेटा चुरा लिया या बेच दिया गया। सवाल है कि इस तरह डेटा खरीदने या फिर चुराने वाले लोग या गिरोह क्या बेवजह ऐसा करते होंगे? डिजिटल निर्भरता के दौर में डेटा हासिल करके मनमाने तरीके से लोगों पर नियंत्रण की बढ़ती प्रवृत्ति के दौर में इसकी क्या गारंटी है कि किसी व्यक्ति या समूह से संबंधित आंकड़ों या ब्योरों को हथियार बना कर किसी बड़े नुकसान को अंजाम नहीं दिया जाएगा? **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

प्रदर्शन के मायने

चीन में बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच सरकार के खिलाफ उग्र होते प्रदर्शन व्यवस्था के लिए दोहरी मुसीबत साबित हो रहे हैं। रविवार को चीन में कोरोना के चालीस हजार मामले दर्ज हुए। लगातार पांचवें दिन बेजिंग में करीब चार हजार नए मामले सामने आए। इसे देखते हुए वहां की सरकार ने अपनी 'कोरोना शून्य नीति' के तहत पूर्णबंदी लागू कर दी है। मगर लोग इससे खुश नहीं हैं। पूर्णबंदी के दौरान शंघाई की एक रिहाइशी इमारत में आग लग गई, जिसमें कई लोग झुलस कर मर गए। उसके बाद लोगों का आक्रोश फूटा और वे सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए सड़कों पर उतर आए। हालांकि पुलिस प्रदर्शनकारियों पर काबू पाने की कोशिश कर रही है, मगर विरोध प्रदर्शन बढ़ता ही जा रहा है। हालांकि चीन में कोरोना के नए उभार से सबक लेने की जरूरत है कि इसका विषाणु समाप्त नहीं हुआ है और इससे बचने के तमाम एहतियाती उपायों का पालन जरूरी है। सरकारों को भी इसे लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। मगर चीन में उभरे ताजा आक्रोश के पीछे कोरोना की पूर्णबंदी महज एक बहाना है। दरअसल, लोग अब सरकार के कामकाज के तरीके से परेशान हो चुके हैं। उन्हें लगता है कि उनकी आजादी छीनी जा रही है। यही कारण है कि चीन में पहली बार ऐसा हो रहा है कि वहां के लोग सीधे राष्ट्रपति से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। चीन की अर्थव्यवस्था कोई अच्छी स्थिति में नहीं है। इसके बावजूद वहां पूर्णबंदी लागू किए जाने के बाद स्थिति और खराब होने की आशंका है। खराब अर्थव्यवस्था में लोगों का जीवन मुश्किलों से भरता जाएगा। इसके अलावा सबसे अधिक रोष राष्ट्रपति शी जिनपिंग की नीतियों और उनके कामकाज को लेकर है। वे तीसरी बार सत्ता में आए हैं और लगभग सारी शक्तियां उन्होंने अपने हाथ में केंद्रित कर ली हैं। इस तरह लोकतांत्रिक प्रक्रिया बाधित महसूस की जाने लगी है। नागरिकों के अधिकार सिकुड़ते गए हैं और वहां का कम्युनिस्ट शासन किसी राजशाही की तरह चलाया जाता नजर आने लगा है। वहां के लोग प्रदर्शन करते हुए नारे भी लगा रहे हैं कि हमें शासक चाहिए, बादशाह नहीं। जब सरकारें नागरिक स्वतंत्रता को बाधित करती हैं, तभी इस तरह गुस्सा फूटता है, वरना कोरोना से निपटने में वहां के लोगों को सहयोग करने में भला क्या गुरेज हो सकता था! चीन में जिस तरह से अत्याधुनिक तकनीक के जरिए निगरानी तंत्र मजबूत किया गया है, उसमें किसी भी व्यक्ति की गतिविधियों पर हर वक्त नजर रखी जा सकती है। यह जानते हुए भी लोग सड़कों पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, तो जाहिर है वे किसी भी प्रकार की यातना सहने को तैयार हैं। ऐसा नहीं कि चीन में इससे पहले व्यवस्था के खिलाफ प्रदर्शन नहीं हुए, मगर यह प्रदर्शन इसलिए उन सबसे भिन्न है कि इसमें सीधा निशाना राष्ट्रपति पर साधा जा रहा है। नागरिक अधिकारों को बंधक बना कर शासन चलाने की कोशिश करने पर इसी तरह गृहयुद्ध की स्थिति पैदा होती है। चीन के नागरिकों का आरोप है कि उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तक छीन ली गई है। इसलिए वे प्रदर्शन के दौरान कोरा कागज लेकर उतर रहे हैं। अब पूरी दुनिया की नजर इस बात पर है कि शी जिनपिंग अपनी नीतियों को लेकर लचीला रुख अपनाते हैं या नहीं। अगर वे इन प्रदर्शनों को दमन के जोर पर दबाने का प्रयास करेंगे, तो इसके और भयावह रूप लेने की आशंका जताई जा रही है।

मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज ने कहा...

धन को नहीं धर्म और ज्ञान को महत्व दें, धन दुख का और धर्म व ज्ञान सुख का कारण है

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। महावीर नगर में चल रहे छह दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन गुरुवार को गर्भ कल्याणक मनाया गया। इस अवसर पर मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज ने कहा कि आज के दिन अपने आत्म गर्भ में एक संकल्प अवश्य लेना कि जीवन में धन को नहीं धर्म और ज्ञान को महत्व देंगे और उसी की प्राप्ति के लिए प्रयास और पुरुषार्थ करेंगे। अर्थ ही अनर्थ एवं राग, द्वेष, दुख, मोह, अहंकार और कलह का कारण बनता है जबकि धर्म और ज्ञान से सुख की प्राप्ति होती है। प्रवचन के पूर्व प्रातः कालीन बेला में 700 से अधिक इंद्र इंद्राणीयों ने नित्य नियम अभिषेक पूजन शांति धारा एवं पंडित रतनलालजी शास्त्री एवं पंडित अरविंद जी शास्त्री के निर्देशन में याग मंडल विधान किया और दोपहर में भगवान की माता बनी श्रीमती सरोज काला की संगीत की स्वर लहरियों एवं मंगल गीत के साथ सौ धर्म इंद्र इंद्राणी विकास सोनल जैन सहित इंद्राणी श्रीमती अंजू गंगवाल, कल्पना रश्मि बाकलीवाल, मुक्ता जैन, ममता खासगीवाला, उर्मिला स्वाति गांधी सहित अनेक इंद्र इंद्राणीयों ने ड्राय फ्रूट, श्रीफल एवं अन्य मांगलिक वस्तुओं से माता की गोद भरी इस अवसर पर भगवान के पिता पदम काला का भी सम्मान किया गया पश्चात गर्भ कल्याणक की अंतरंग क्रियाएं संपन्न की गईं। शाम को गुरु भक्ति महा आरती एवं रात्रि में राज दरबार सजाया गया जिसमें माता के स्वप्न फल, जिज्ञासा समाधान और अष्टकुमारीयों द्वारा माता की इसश्रंगार क्रियाएं संपन्न हुई।

जन्म कल्याणक आज

प्रातः 7:00 बजे तीर्थंकर प्रभु का जन्म, 10:00बजे महोत्सव स्थल से जन्माभिषेक जुलूस प्रारंभ होकर गोयल नगर जैन मंदिर पहुंचेगा जहां पांडुक शिला पर भावी तीर्थंकर बालक का सौ धर्म एवं अन्य इंद्रो द्वारा1008 कलशों से जन्मा भिषेक कलश, दोपहर में वेदी शुद्धि, राज दरबार, देवराज द्वारा तांडव नृत्य एवं रात्रि में बाल क्रीड़ा आदि कार्यक्रम होंगे।

दादीजी का विवाहोत्सव मनाया गया

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया।

अजमेर। श्री दादी परिवार महिला मण्डल अजमेर द्वारा परम पूजनीय अग्रकुल शिरोमणि श्रीश्री 1008 श्री झुंझुंनू वाली दादीजी की असीम अनुकम्पा से मंगसर सुदी नवमी के अवसर पर दादीजी का विवाहोत्सव गुरूवार, दिनांक 1 दिसम्बर 2022 को प्रातः 11.15 बजे श्रीमती रंजना-सुनील बंसल के आतिथ्य में जनकपुरी, गंज, अजमेर पर धूमधाम से आयोजित किया गया। दादी भक्त लेखा गर्ग ने बताया कि दादीजी के विवाहोत्सव में जयपुर से पधारे तेजसिंह एवं मोनू विकास द्वारा भव्य मंगलपाठ का वाचन किया गया। मंगलपाठ के दौरान दादीजी के विवाह की सभी रस्मे जैसे हल्दी, मेंहदी आदि पूर्ण की गई। मंगलपाठ के दौरान सुन्दर भजनों की प्रस्तुति दी गई। उत्सव में सभी महिलायें चूदंडी की साड़ी पहनकर सम्मिलित हुई। उत्सव का समापन प्रसादी के साथ किया गया।

बालिका शिक्षा पर ध्यान दें : बीडी कल्ला

उच्च माध्यमिक विद्यालय भवन हेतु जोशी परिवार द्वारा सात बीघा जमीन का भूमि दान किया गया

लाणेरा (सोजत). शाबाश इंडिया। सोजत तहसील के गांव लाणेरा मे उच्च माध्यमिक भवन बनाने हेतु भामाशाह हरिराम जगदीश बालमुकंद राणेजा जोशी परिवार ने अपने दादाजी की याद में गांव के पास विधालय भवन हेतु सात बीघा भूमि दान की गई। राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला ने भामाशाह सम्मान समारोह में बोलते हुए कहा कि आज के समय में बालिका शिक्षा बहुत आवश्यक है एक बालिका दो परिवार का एवं राष्ट्र का उद्धार करती है। सभा की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री के सहायक निरंजन आर्य ने भामाशाह परिवार का आभार व्यक्त किया एवं गांव की उन्नति हेतु कई कार्यों की घोषणा की । राजोला पंचायत के पुर्व सरपंच गोविन्द सिखवाल ने कहा कि गांव लाणेरा को ग्राम पंचायत बनाने के लिए सरकार से निवेदन किया। गांव लाणेरा के सभी गणमान्य लोगों ने बी डी कल्ला का बैंड बाजों के साथ स्वागत किया एवं 25 किलो की माला पहनाई। इस मौके पर बद्रीराम जाखड़ पूर्व सांसद पाली, चुन्नीलाल चाडवास उपाध्यक्ष पशुधन विकास बोर्ड राजस्थान सरकार,संपत राज कुमावत शिल्प एवं माटी कला बोर्ड राजस्थान सरकार, चुन्नीलाल जिला परिषद सदस्य पाली उपस्थित थे।

श्रीमद् भागवत कथा के साथ बच्चों को मिलेगा गीता संदेश

श्री संतोष सागर महाराज 15 दिसम्बर से भीलवाड़ा में

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। सनातन धर्म यात्रा के माध्यम से युवाओं तक श्रीमद् भागवत गीता का संदेश पहुंचाने की मुहिम में जुटे युवा राष्ट्रीय संत ख्यातनाम कथावाचक श्री संतोष सागर महाराज 15 दिसम्बर से धर्मनगरी भीलवाड़ा में होंगे। पहली बार भीलवाड़ा आ रहे संतोषसागर महाराज के मुखारबिंद से सनातन धर्म भागवत कथा समिति के तत्वावधान में मरूधरा माहेश्वरी संस्थान की ओर से 15 से 21 दिसम्बर तक श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव का आयोजन होगा। कथा महोत्सव प्रतिदिन दोपहर 1.30 से शाम 5.30 बजे तक शास्त्रीनगर में सूर्यमहल के पास स्थित जाट भवन में होगा। इसके लिए आयोजन समिति की ओर से व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही है। महोत्सव में संतोषसागर महाराज व्यास पीठ पर विराजित होकर श्रीमद् भागवत कथा का वाचन करेंगे। बच्चों व युवा पीढ़ी को सनातन संस्कृति से अवगत कराने के लिए संकल्पबद्ध संतोषसागर महाराज श्रीमद् भागवत कथा वाचन के साथ प्रतिदिन सनातन धर्म व गीता संदेश के प्रचार के लिए सुबह विभिन्न स्कूलों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में शामिल होंगे। स्कूलों में बच्चों को निःशुल्क गीता का वितरण भी किया जाएगा। विद्यार्थियों को इस संकल्प के साथ श्रीमद् भागवत गीता ग्रंथ निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है कि वह नित्य प्रति गीता अध्ययन का अभ्यास रखेंगे। विद्यार्थियों को इस बात के लिए प्रेरित किया जा रहा है कि वर्षभर में गीता के 700 श्लोक जिंदगी भर के लिए कंठस्थ करेंगे। संस्कार निर्माण के इस आयोजन में युवाओं के साथ अधिक से अधिक संवाद स्थापित करने का प्रयास किया जाता है।

धूमधाम से निकाली गई चक्रवर्ती की दिग्विजय यात्रा

मनुष्य का पूरा जीवन एक पाठशाला है : मुनि श्री सुप्रभ सागर महाराज

पाठशालाओं का हुआ अधिवेशन, बच्चों ने दी प्रस्तुति

बानपुर, ललितपुर. शाबाश इंडिया

कस्बा बानपुर में बस स्टैंण्ड स्थित महाराजा मर्दन सिंह क्रिकेट ग्राउंड बानपुर में आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज, मुनि श्री समत्व सागर जी महाराज, श्री प्रणत सागर, मुनि श्री सौम्यसागर, मुनि श्री साक्ष्य सागर, मुनि श्री निवृत्तसागर के मंगल सान्निध्य में चल रहे श्री मज्जिनेन्द्र शांतिनाथ चौबीसी तथा मानस्तम्भ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा, विश्वशांति महायज्ञ एवं गजरथ महोत्सव में गुरुवार को दोपहर में कस्बा में चक्रवर्ती शांतिनाथ की ऐतिहासिक दिग्विजय यात्रा निकाली गई । यात्रा का जगह -जगह भव्य स्वागत किया गया। सेना के साथ निकली यात्रा पर लोगों ने द्वार- द्वार पर फूल बरसाए। इसमें बानपुर क्षेत्र सहित दूरदराज से भी बड़ी संख्या में जैन श्रद्धालु शामिल हुए। महोत्सव के प्रचारमंत्री डॉ सुनील संचय ने बताया कि यात्रा आयोजन स्थल महाराजा मर्दन सिंह क्रिकेट ग्राउंड बानपुर से शुरू होकर टीकमगढ़ तिग्गडा, किले के मैदान, बाजार, मुख्य मार्गों से होता हुआ निकली। चक्रवर्ती महाराज शांतिनाथ अपने सेनानायकों और सेना के साथ रथो पर सवार होकर निकले, नगर के मार्गों में जय घोष हो रहे थे और ध्वज, पताकाएं लहरा रही थी। यात्रा में सबसे पहले हाथी, इसके बाद घोड़े, और उसके बाद बग्गियां चल रही थी । चक्ररत्न के साथ वीर सेवा संघ ललितपुर, रुद्रावतार वाद्य वैंड अमरावती महाराष्ट्र, शक्ति पीठ सेवा दल टीकमगढ़, दिल दिल घोड़ी बांदरी, विश्राश्री महिला मंडल बानपुर, सर्व सेवा साधु समिति बानपुर, महिला मंडल मड़ावरा इसके विभिन्न पाठशालाओं के बच्चे व शिक्षक नृत्य-गान करते हुए पंक्तिबद्ध होकर चल रहे थे। आहार जी से आए बच्चों ने अपने प्रदर्शन से सभी को आकर्षित किया ।काफी धूम धाम और उत्साह के साथ दिग्विजय यात्रा निकाली गई। डीजे की धुनों पर युवक जमकर थिरके। यात्रा में बुंदेलखंड का प्रसिद्ध मोनिया नृत्य शामिल रहा। गीत संगीत की धुनों पर कलाकार जमकर नाचे जिसकी लोगों ने प्रशंसा की। नगर में पहली बार इतनी विशाल और ऐतिहासिक यात्रा जैन समाज के द्वारा निकाली गई। आयोजन स्थल मुख्य पंडाल पर यात्रा का समापन किया गया इसके बाद धार्मिक कार्यक्रम संपन्न कराए गए । नगर भ्रमण के दौरान यात्रा के बीच में नृत्य करते इंद्र-इंद्राणी लोगों का प्रमुख आकर्षण का केंद्र बने। एक किलोमीटर लंबी यात्रा के दौरान हाथी, घोड़ व बग्घियों साथ चल रहीं थी। जैन समाज के अलावा विभिन्न वर्गों के लोगों ने चक्रवती की दिग्विजयय यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया। यह यात्रा गुरुवार को नगर में चर्चा का विषय बनी रही। प्रातः बेला में मुनिसंघ के सान्निध्य में पाठशाला अधिवेशन का आयोजन किया गया जिसमें जतारा, टीकमगढ़, मड़ावरा, सागर आदि स्थानों की अनेक पाठशालाओं के बच्चे व शिक्षिकाएं शामिल रहीं। इस अवसर पर मुनि श्री सुप्रभ सागर महाराज ने प्रवचन करते हुए अपनी देशना में कहा कि मनुष्य का पूरा जीवन एक पाठशाला है। मात्र मनोरंजन का साधन नहीं है पाठशाला। जहाँ संस्कारों का सिंचन होता है वह पाठशाला है। बच्चे कभी सिखाने से नहीं सीखते अपितु दिखाने से सीखते हैं। वर्तमान के भौतिकता के युग में बच्चों को उनके अनुसार तकनीकी ढंग से समझाने की आवश्यकता है।

संस्कारों को रूढ़ि से नहीं अपितु रीति-नीति से देने की जरूरत है। जिसके संस्कार नहीं उसका कोई आकार नहीं और पाठशाला संस्कारों का पहला पायदान है। संस्कार और सभ्यता आपके घर तक पाठशाला के माध्यम से पहुंच सकती है । पाठशाला के माध्यम से धर्म और संस्कारों का जो वीजारोपण हो रहा है उनको घर- घर में पहुचाने की जरूरत है। उन्होने समाज श्रेष्ठियों से आग्रह किया वह अपने बच्चों को संस्कारवान बनाने के लिए पाठशाला जरूर भेजें जिससे आने वाले समय में धर्म का ह्रास न हो। पाठशाला आपके बच्चों को वह संस्कार और सभ्यता सिखाती है जिससे आपका बच्चा बड़ा होकर संसार में सर उठाकर जी सकेगा। इस मौके पर शांतिधारा, शास्त्र भेंट और महाआरती का सौभाग्य चक्रवर्ती परिवार को प्राप्त हुआ। समस्त पाठशालाओं ने सामुहिक रूप से आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज की अष्ट द्रव्य से भक्ति भाव के साथ पूजा की। चित्र अनावरण आहार जी गुरुकुल के छात्रों द्वारा किया गया।

श्री महावीर कॉलेज में इंटर कॉलेजिएट यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान बास्केटबॉल टूर्नामेंट का आगाज

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर कॉलेज में गरुवार दिनांक 1 दिसंबर 2022 को तीन दिवसीय इंटर कॉलेजिएट बास्केटबॉल टूर्नामेंट शुरू हुआ। तीन दिवसीय इस टूर्नामेंट के पहले दिन राजस्थान के अलग अलग क्षेत्रों से आई टीमो ने अपना एवं अपने टीम मैनेजर कोच का परिचय दिया। टूर्नामेंट मे राजस्थान के प्रमुख कॉलेज जिनमे महाराजा कॉलेज, सुबोध पी जी ऑटोनॉमस कॉलेज यूनिवर्सिटी कॉमर्स कॉलेज, श्री भवानी पी जी कॉलेज श्री भवानी निकेतन टी टी कॉलेज, परिष्कार इंटरनेशनल कॉलेज एल बी एस कॉलेज यूनिवर्सिटी राजस्थान कॉलेज एस एस जी पारीक पी जी कॉलेज, सेंट विल्फ्रेड पी जी कॉलेज गवर्नमेंट कॉलेज कालाडेरा, सेन्ट जेवियर कॉलेज, गवर्नमेंट पी जी कॉलेज सांभरलेक संस्कृति पी जी कॉलेज श्री महाराजा विनायक पी जी कॉलेज इत्यादि हिस्सा ले रहे है। दिनांक 1 दिसंबर 2022 को कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि श्री सतप्रकाश जी यादव (भारतीय बास्केट बाल टीम के कप्तान रह चुके हैं एवं भारतीय टीम के मुख्य कोच भी रह चुके हैं) और विशिष्ट अतिथि डॉ प्रमोद सिंह जी (सचिव, राजस्थान विश्वविद्यालय स्पॉटस बोर्ड) ने दीप प्रज्वलित करके व उन्होने अपने अभिभाषण में खेलो का जीवन में महत्व को दशार्ते हुए विधार्थियों को एकाग्रता, बुद्धि कौशल का उपयोग करते हुए खेलने के लिए प्रोत्साहित किया ।इस अभिभाषण से न केवल विधार्थियों को प्रोत्साह न मिला बल्कि उनके आत्मविश्वास में भी वृद्धि हुई ।संस्था के मानद मंत्री श्री सुनील जी बख्शी ने विधार्थियों को खेलने पर जोर दिया और साथ ही साथ अपने अभिभाषण मे व्यक्त किया कि अध्ययन के साथ साथ खेलो को भी महत्व दिया जाना चाहिए। कॉलेज के कार्यकारिणी सदस्य श्री विनोद जी कोटखावदा, कॉलेज कन्वीनर श्री प्रमोद जी पाटनी और प्राचार्य डा. आशीष गुप्ता ने आये हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद दिया। इसके पश्चात गेम्स इंचार्ज इन्दर सिंह ने मैच प्रोग्राम की घोषणा की ।

विश्व में शांति की कामना के लिए भगवान शांतिनाथ की श्रद्धालुओं ने की शांतिधारा

गाँव रजवास मे धर्मशाला शिलान्यास कार्यक्रम आज

निवाई. शाबाश इंडिया

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी संघ शिलान्यास कार्यक्रम हेतु गुरुवार को निवाई से गाँव रजवास के लिए मंगल विहार हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि सकल दिगम्बर जैन समाज निवाई एवं रजवास के श्रद्धालुओं द्वारा माताजी को श्री फल भेंट कर 2 दिसम्बर को रजवास मे आयोजित कार्यक्रम धर्मशाला शिलान्यास को लेकर रजवास जैन समाज ने माताजी संघ का सानिध्य प्राप्त करने के लिए श्री फल चडाय़ा जहाँ आर्यिका माताजी ने स्वीकृति प्रदान की। जौंला ने बताया कि 2 दिसम्बर को रजवास जैन समाज द्वारा माताजी के सानिध्य में धर्मशाला शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें पूजा अर्चना के साथ अनेक कार्यक्रम किए जाएंगे। जौंला ने बताया कि गुरुवार को नसियां मंदिर में विश्व में शांति की कामना के लिए भगवान शांतिनाथ की शांतिधारा के साथ पूजा अर्चना की गई जिसमें आर्यिका विज्ञाश्री माताजी, विकक्षा श्री माताजी, ज्ञान श्री माताजी, ज्ञाताश्री माताजी, ज्ञापक श्री माताजी संघ सहित जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा, शंभु कठमाणा, प्रकाश सांवलिया, ताराचंद गोयल, महेन्द्र चेनपुरा, ज्ञानचंद सोगानी, सुनील भाणजा, सत्यनारायण मोठूका, मोहनलाल चंवरिया, राजेन्द्र सेदरिया सहित कई लोग मौजूद थे। जौंला ने बताया कि आर्यिका माताजी संघ के सानिध्य में रविवार को बडा. जैन मंदिर निवाई मे शांति मण्डल विधान का आयोजन किया जाएगा जिसमें गाजेबाजे के साथ पूजा अर्चना की जाएगी।

हमारी कार्य करने की शैली,कभी कार्य को टालने की नहीं रही–संभागीय आयुक्त : दीपक नंदी

समाजसेवी ओम जैन सर्राफ एवं माधुरी जैन सर्राफ ने किया, दीपक नंदी का सम्मान

कोटा. शाबाश इंडिया

कोटा संभाग के संभागीय आयुक्त पद पर से 30 नवंबर 2022 को सेवानिवृत्त हुए सीनियर आईएएस दीपक नंदी का सम्मान समाजसेवी ओम जैन सर्राफ एवं माधुरी जैन सर्राफ ने शॉल दुपट्टा एवं साफा पहनाकर किया। इस अवसर पर दीपक नंदी की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा नंदी का भी सम्मान सुनहरी दुपट्टा पहनाकर किया गया। इस अवसर पर दीपक नंदी ने यह कहा कि मेरे कार्यकाल में मैंने कभी भी नियम के अनुसार होने वाले कार्य को टाला नहीं,बल्कि उस कार्य को समय के अनुसार किया। कई महिलाओं एवं पुरुषों एवं जरूरत से ज्यादा परेशान कई व्यक्तियों का तुरंत उसी दिन ही कार्य किया।जनता के कार्य करने से ही सरकार का मैसेज जनता को राहत पहुंचाता है। सेवानिवृत्त दीपक नंदी ने सामाजिक समरसता की बात भी कही, उन्होंने सामाजिक समरसता की कड़ी में, यह कहा कि सब जाति धर्म एक ही है,और हमें जातियों को अलग-अलग नहीं देखना चाहिए और ना ही करने का प्रयास करना चाहिए।

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान, राजस्थान प्रान्त, जयपुर

नवनिर्वाचित पदाधिकारीयों एवम सक्रिय सदस्यों की सभा आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान,राजस्थान प्रान्त के नवनिर्वाचित पदाधिकारीयों एवं सक्रिय सदस्यों की एक सभा गुरुवार को जयपुर में आयोजित की गयी। सभा नमोकार मन्त्र के जाप से प्रारम्भ की गई। महामंत्री सुनील पहाड़िया ने सभी का स्वागत किया। आचार्य वसुनंदी महाराज की प्रेरणा से गठित संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने अभी तक किए कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। पार्श्वनाथ जैन मंदिर झोटवाड़ा समाज द्वारा सोम्य नंदनी माताजी का प्रेरक व धर्म प्रभावी चातुर्मास कराने व जयपुर से राजाखेड़ा तक संघ की विहार की सभी व्यवस्थाएँ करने के लिए झोटवाड़ा समाज के अध्यक्ष राजीव पाटनी मंत्री, पवन पांड्या सहित सदस्यों की प्रशंसा की ।इस पर उपस्थित सदस्यों ने करतल ध्वनि के साथ सभी का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। संस्थान के कोषाध्यक्ष पंकज लुहाड़िया ने बताया की आने वाले समय में संस्थान द्वारा किये जाने वाले कार्यों, संविधान निर्माण तथा इसके विस्तार आदि पर चर्चा में संरक्षक राजेश गंगवाल रश्मि कान्त सोनी प्रेम चंद छाबड़ा सहित सदस्यों ने महत्ती सुझाव दिये। चर्चा में अशोक लुहाड़िया धन कुमार जैन कमल दीवान सोभाग अजमेरा राजा बाबू गोधा ने भी भाग लिया। देवेंद्र कासलीवाल,राकेश गोदिका, हरक चंद, हर्षित जैन, ओ पी काला, राकेश पाटनी आदि की सभा में सहभागिता रही। सभा अध्यक्ष के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सम्पन्न हुई ।

सबक के मंच पर शाम-ए-गजल

जयपुर. शाबाश इंडिया। सबक के मंच पर प्रसिद्ध गजल गायक हिरेन्द्र कुमार भट्ट ने गजलों का गुल्दस्ता सजाया जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। गुलजार वायलिन एकेडमी द्वारा आयोजित व नेट थियेट के सयोजन मे सबक कार्यक्रम मे हिरन्द्र कुमार भटट ने गजले- जिनमे बना बना के तमन्नाः **शकील बदायुनी ऐ हुस्न-ए-बेपरवाह - बशीर बद्र, गम उठाऊंगा - शराफत लखनवी**। किया है प्यार जिसे हमने - कतील शिफाई के कलामो को अनेक रागो मे सजा कर पेश किये । तबले पर सुन्दर संगत तबला वादक श नरेन्द्र सिंह ने व बिलाल हुसैन ने गिटार , गुलजार हुसैन ने वायलिन पर साथ दिया। गुलजार वायलिन एकेडमी द्वारा हिरेन्द्र कुमार भटट को श्रेष्ठ साधक उपाधि व नरेन्द सिंह को उदीयमान साधक उपाधि से सम्मानित किया गया। आर डी अग्रवाल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम के अंत मे नेट थियेट के जितेन्द्र शर्मा, तपेश, जिवितेश शर्मा, व सबक के राहुल कुमावत यशा, अनवी, शीला राठोड़, पुष्पंद्र अग्रवाल ने सभी का स्वागत किया।

यूनिफॉर्म का कपड़ा प्राप्त कर राजकीय विद्यालयों के नन्हे मुन्ने बच्चों के चेहरे खिले

चित्तौड़. शाबाश इंडिया

राजकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों को यूनिफॉर्म के लिए कपड़ा दिया गया। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ठिकरिया के अध्यापक संजय कुमार जैन ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा राजकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 तक पढ़ने वाले समस्त छात्र छात्राओं को मुख्यमंत्री निशुल्क यूनिफॉर्म वितरण योजना के तहत यूनिफॉर्म वितरित की जा रही है उसी क्रम में बच्चों को विद्यालय में ड्रेस का कपड़ा वितरित किया गया । कक्षा वार अलग अलग नाप में कपड़ा दिया गया । कपड़ा पाकर छोटे छोटे बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे । अब बच्चे एक सी यूनिफॉर्म में विद्यालय आएंगे । जिससे उन्हें अलग से पहचाना जा सकेगा कि यह राजकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 1 से 8 तक के छात्र-छात्राएं हैं। बच्चों ने बताया कि उन्होंने यह वस्त्र सिलने के लिए भी दे दिए हैं ,जो जल्दी ही सिलकर आ जाएंगे। ड्रेस के 2 सेट दिए गए है, इसके लिए उन्हें 200 रुपये भी दिए जाएंगे जो सीधे उनके खातों में आएंगे। मंगलवार को बच्चों को बाल गोपाल योजना के तहत दूध का भी वितरण किया गया जिसे बच्चों ने चाव के साथ पिया। यूनिफॉर्म वितरण के समय प्रधानाध्यापक राजकुमार खटीक, समस्त स्टाफ, पृथ्वीराज डांगी, अध्यक्ष छोगालाल डाँगी व अभिभावक भी उपस्थित रहे जिनके हाथ से वस्त्र वितरण हुआ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा
महोत्सव 24 नवम्बर से
28 नवम्बर 2022

महामस्तकाभिषेक
महोत्सव 27 नवम्बर से
04 दिसम्बर 2022

दिगम्बर जैन आतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

भगवान महावीर महामस्तकाभिषेक महोत्सव-2022

24 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2022 तक

पावन सानिध्यः वात्सल्य वारिधि
आचार्य श्री 108 वर्धमानसागर जी महाराज ससंघ

स्थानः दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
श्री महावीरजी, जिला करौली (राज.)

सांस्कृतिक कार्यक्रम

दिनांक	:	25-11-2022	वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिका
दिनांक	:	26-11-2022	श्री रूपेश जैन एण्ड पार्टी
दिनांक	:	27-11-2022	रंगशाला नाट्य अकादमी, इंदौर
दिनांक	:	28-11-2022	डॉ. गौरव सौगानी एण्ड पार्टी, जयपुर
दिनांक	:	29-11-2022	पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग राजस्थान
दिनांक	:	30-11-2022	वीणा कैसेट्स, जयपुर
दिनांक	:	01-12-2022	राष्ट्रीय कवि सम्मेलन
दिनांक	:	02-12-2022	श्री दिगम्बर जैन महासमिति, सांगानेर (जयपुर)
दिनांक	:	03-12-2022	सम्मान समारोह
दिनांक	:	04-12-2022	भगवान महावीर के वृत्त चित्र का प्रदर्शन

प्रबन्धकारिणी कमेटी, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

सुधान्शु कासलीवाल अध्यक्ष	शांतिकुमार जैन उपाअध्यक्ष	महेन्द्र कुमार पाटनी मानद मंत्री
सुभाषचन्द जैन संयुक्त मंत्री	उमरावमल संघी संयुक्त मंत्री	विवेक काला कोषाध्यक्ष

सदस्यगण :- सुभद्र कुमार पाटनी, नरेश कुमार सेठी, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी मुंम्बई (शिखरचन्द पहाडिया), पूनमचन्द्र शाह, डॉ. कमलचन्द सौगानी, नगेन्द्र कुमार जैन, हेमन्त सौगानी, अशोक जैन, कमल कुमार बड़जात्या, नरेन्द्र कुमार जैन, देवेन्द्र कुमार जैन, अशोक कुमार पाटनी, सतीश अजमेरा, सुधीर कासलीवाल, सी. पी. जैन, डॉ. पदम कुमार जैन, प्रदीप कुमार जैन, अनिल पाटनी (दीवान), रूपिन के. काला, सुरेश सबलावत

औरत की बच्चेदानी क्यों निकालनी पड़ती है और इसके क्या दुष्प्रभाव हैं?

हम इस विषय पर काफी समय से लिखना चाह रहे हैं क्योंकि हमें लगता है इसके बारे में महिलाओं को पता होना चाहिए और आप किसी अन्य को भी इसके बारे में बता पाए तो हमारा यहां लिखना सार्थक रहेगा ..... हमने इसकी वजह से अपने एक परिवार के सदस्य को खोया है बस इसलिए चाहते हैं कि इसके प्रति सबको पता होना चाहिए...

क्या आप जानते हैं कि गर्भाशय की सर्जरी महिलाओं में सबसे ज्यादा किया जाने वाली सर्जरियों में से एक है तो इसलिए भी इसके बारे में जानना , जागरुकता जरुरी है. गर्भाशय को हटना/ निकलवाने को चिकित्सकों की भाषा में Hysterectomy कहा जाता है। तो सबसे पहले यह जान लेते हैं कि क्यों? महिलाओं के गर्भाशय को निकालना जरुरी हो जाता है. सबसे बड़ी वजह जो हम आजकल देख रहे हैं वो है पैसों का लालच ...जी हैं! मेडिकल के क्षेत्र में ऐसा जाल बनाया जा चुका है कि ऊपर से नीचे तक सब के सब एक ही थाली के चट्टे-बट्टे है आप यह जान पाएं की यह सर्जरी ज़रुरी भी है या नहीं इसके लिए आपको कम से कम चार पांच जगहों से संपर्क करना होगा ....किसी एक अच्छे डाक्टर का सोचकर कोई भी निर्णय कभी ना ले ....हम फिर से बता रहे हैं कभी भी एक डाक्टर का सुनकर आप ऐसा कोई भी निर्णय लेने से पहले पुरी तरह आश्वस्त हो जाए तभी ऐसा कदम उठाए ....तो जरुर समय देकर ही ऐसा करें ..... हमने बहुत बार देखा की एमरजेंसी बताकर बस पैसे के लिए परिवार को परेशानी के साथ-साथ आर्थिक रुप से भी लुट लिया जाता है .....वो बात लगा है कि कैंसर या अन्य एमरजेंसी की जान पर बन आए तब ...लेकिन इसके लक्षण ऐसे हैं कि आप काफी पहले ही अगर कोई

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।

परेशानी होने पर गायनेकोलॉजिस्ट के पास जाए तो वह आपको इसके लिए पहले सचेत आसानी से कर सकती हैं कि आपकी इस परेशानी का संबंध और लम्बे समय पर अगर ध्यान ना दिया जाए तो यह रहेगा .... तो खासकर महिलाएं जो PCOS, अनियमित पीरियड्स, या अन्य किसी समस्या से ग्रस्त हैं तो जरुर अच्छे गाइनेकोलॉजिस्ट को दिखाएंअन्य कारण इसमें पानी भर जाना यह आमतौर पर बहुत ज्यादा देखा जाता है जो एक मुख्य लक्षण होता है निकलने जानें का ....(पानी जो आमतौर पर बोला जाता है से यहां मतलब body fluids से है) और महिलाओं में मोनोपाज के बाद हार्मोनल संतुलन में आए बदलाव भी इसकी बड़ी वजह हो सकते हैं... या मोनोपाज से पहले लगातार बदबूदार डिस्चार्ज होना जो इन्फेक्शन का लक्षण होता है ....के मामले अधिकतर देखने मिलते हैं! इसके अलावा .... गांठ .... गर्भाशय में गांठ या गांठों का बन जाना भी इसका एक मुख्य कारण है, रिप्रोडक्टिव सिस्टम में किसी अन्य अंग जैसे ovaries / fallopian tubes/ cervix आदि में कैंसर का होना भी इसकी वजह बन सकता है .... कभी कभी मसल्स का कमजोर हो जाना और बैठने या वाशरुम का इस्तेमाल करने पर अधिक दिक्कत का बढ़ जाना .... इसके आकार का बढ़ना या उससे pelvis region में असहनीय दर्द का होना ... पीरियड्स में अधिक रक्तस्राव होना .... इसके अलावा अन्य भी जैसे endometriosis भी हो सकती हैं। अब इसमें भी partial / complete removal और भी अन्य तरह से इसे ओपन सर्जरी / लेजर से हटाना आजकल चलन में हैं ....दुष्प्रभाव:- दो हिस्सों में शारीरिक और एक मानसिक .... में बांट सकते हैं सबसे पहले तो महिला को पीरियड्स नहीं आएंगे और गर्भधारण भी नहीं हो पाएगा फिर कभी .....(निर्भर करता हैं किसी तरह का रिमुव्ल हैं, दूसरा हैं कमर का दर्द :- यह इसलिए क्योंकि हमारे रीड की हड्डी को मसल्स ने बांध कर रखा है आप ऐसा समझ सकते हैं तो जब एक बड़ा हिस्सा मसल्स का हटाया जाता है तो यह समस्या पैदा होना लाजिमी है। इसके अलावा भी अन्य हिस्सों का भी खिसकना क्योंकि अब अंदर काफी स्पेस खाली हो जाती हैं गर्भाशय की सर्जरी के बाद ... अन्य अंगों की अन्य बीमारियों को निमंत्रण मिल जाता है।

डिप्रेशन :- हार्मोनल संतुलन का गड़बड़ा जाना इसकी वजह इसके साथ ही सेक्शुअल लाइफ पर भी असर देखा गया हैं ....

सखी गुलाबी नगरी की कुकिंग क्लास मे सिखा ''ऑइल फ्री एवं बैकिंग'' के स्वादिष्ट व्यंजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। सखी गुलाबी नगरी द्वारा **Microwave Cooking Class** का आयोजन किया गया, जिसमे काफी संख्या में सदस्यों ने शामिल होकर सहभागिता निभाई। सखी अध्यक्ष सारिका जैन ने बताया कि ''शेफ राकेश भट्ट'' ने अपने प्रक्षिशण में ₹ऑइल फ्री एवं बैकिंगर के स्वादिष्ट व्यंजनों की रेसिपी सदस्यों को सिखाई एवं उनकी माइक्रोवेव से सम्बन्धित जिज्ञासा का भी सामाधान किया। संस्था की पीआरओ आशा ने कार्यक्रम का संचालन व व्यवस्था को सम्भाला व ग्रीटिंग कॉर्डिनेटर रेश्मा का कार्यक्रम में विशेष सहयोग रहा।

तीये की बैठक

हमारी पूजनीय माताजी
श्रीमती कमला देवी काला (धर्मपत्नी स्व.श्री कपूरचंदजी काला)
का स्वर्गवास 30 /11/2022 को हो गया हैं। जिनकी तीये की बैठक 3 /12/2022 को प्रात: 9 बजे दिगंबर जैन मंदिर शास्त्रीनगर पर रखी गई है।

शोकाकुल: राजकुमार -संतोष, अरुण- संगीता (पुत्र - पुत्रवधु)नेमीचंद, आनंद, महेंद्र, प्रकाश, पवन, विजय (देवर)आशा - मनोज छाबड़ा, माया - विजय झांझरी (बेटी - दामाद)ऐश्वर्या - सिद्धांत पाटनी (पोत्री-दामाद)शोभित, रौनक, कल्पित (पौत्र)एवम समस्त काला परिवार (लामियां वाले) फर्म कपूर प्रिंटर्स जयपुर 94140 63737 पीहर पक्ष इंद्रचंद जी-चंद्रप्रकाश जी एवम समस्त बड़जात्या परिवार (धोबलाई वाले)